भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में चम्पारण सत्याग्रह की भूमिका

डॉ. अमित कुमार

महात्मा गाँधी की चम्पारण यात्रा एवं यहाँ का उनका काम बिहार के ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत के इतिहास में कई दृष्टिकोणों से सर्वाधिक महत्व रखता है। उनकी अपनी धारणा के अनुसार यह ''सत्य और अहिंसा का एक महान प्रयोग था।'' जहाँ तक चम्पारण के रैयतों का संबंध था, महात्मा गाँधी के प्रयत्न से उन्हें एक अन्यायपूर्ण अत्याचारी व्यवस्था से मुक्ति मिली। लम्बे अरसे से जो भारी सामाजिक अन्याय उनके साथ हो रहा था उसके शिकंजों से भी वे मुक्त हुए। इसका उनके मन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने निर्भिकता एवं ईमानदारी का आदर करना सीखा। आगामी दशकों में स्वतंत्रता संघर्ष के दरम्यान जो अग्नि परीक्षा उन्हें देनी थी उसकी भूमिका प्रस्तुत हुई। नागरिक स्वतंत्रता की पहली सीख भी इसी आंदोलन से चम्पारण वासियों एवं पूरे देश को मिली।